

प्रेषक,

डा० हेमलता ढोंडियाल
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

महाप्रबन्धक/प्रमारी महाप्रबन्धक,
जिला उद्योग केंद्र,
नैनीताल/उधमसिंह नगर/अल्मोड़ा/
पिथौरागढ़/बागेश्वर/चम्पावत/देहरादून/पौड़ी/टिहरी/
चमोली/उत्तरकाशी/रूद्रप्रयाग/हरिद्वार।

औद्योगिक विकास अनुभाग-2

देहरादून, दिनांक-25 मई, 2009

विषय: वित्तीय वर्ष 2009-10 हेतु ऊन तागा बैंक की स्थापना योजनान्तर्गत (जिला योजना) में धनराशि स्वीकृत किये जाने के संबंध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक वित्त विभाग के शासनादेश संख्या: 205/XXVII(1)/2009 दिनांक 25 मार्च 2009 के संदर्भ में मुझे वह कहने का निर्देश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2009-10 के लेखानुदानान्तर्गत ऊन तागा बैंक की स्थापना योजना हेतु स्वीकृत धनराशि निम्न विवरणानुसार कुल ₹0 3.31 लाख (₹0 तीन लाख इकत्तीस हजार मात्र) की धनराशि को व्यय किये जाने हेतु आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

जनपद का नाम	स्वीकृत की जा रही धनराशि(₹0 लाख में)
अल्मोड़ा	0.44
पिथौरागढ़	0.23
चम्पावत	0.47
पौड़ी	1.60
रूद्रप्रयाग	0.57
कुल योग	3.31

2- उक्त धनराशि आपके निर्वर्तन पर इस आशय से स्वीकृत की जा रही है कि व्यय उन्हीं मर्दानों में किया जाये जिसमें धनराशि स्वीकृत की जा रही है। व्यय में गतिव्ययता नितांत आवश्यक है तथा इस संबंध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाये। यह आशय किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिससे व्यय करने पर बजट मैनुअल अथवा वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों का उल्लंघन होता हो।

3- स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक: 31.03.2010 तक उपयोग कर लिया जायेगा। वर्षान्त तक स्वीकृत धनराशि के विपरीत वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण उत्तराखण्ड शासन को उपलब्ध कराया जायेगा। व्यय के पश्चात् यदि कोई धनराशि अवशेष रहती है तो उसे दिनांक: 31.03.2010 तक शासन को समर्पित किया जायेगा।

4- धनराशि के आहरण के पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जायेगा कि उक्त योजनायें जिला विकास एवं अनुश्रवण समिति द्वारा जनपदवार अनुमोदित प्लान परिध्वय एवं अनुमोदित योजनाओं पर ही व्यय की जा रही है।

5- उक्त जिला योजना में जिला अनुभवण समिति द्वारा अनुमोदित जनपदवार परिव्यय/योजनाओं के अनुरूप ही सैक्टरवार व्यय किया जायेगा। स्वीकृत की जा रही धनराशि का आवश्यकतानुसार ही आहरण किया जायेगा।

6- स्वीकृत धनराशि जिला अनुभवण समिति द्वारा अनुमोदित जनपदवार परिव्यय/योजनाओं के अनुरूप ही सैक्टरवार व्यय किया जायेगा एवं धनराशि का व्यय वित्त विभाग के उपरोक्त शासनादेश दिनांक 25 मार्च 2009 में उल्लिखित निर्देशानुसार किया जायेगा।

7- उक्त व्यय चातू वित्तीय वर्ष 2009-10 हेतु अनुदान संख्या-23 के मुख्य लेखाशीर्षक 2851-ग्रामोद्योग तथा लघु उद्योग, 00-आयोजनागत, 105-खादी ग्रामोद्योग, 91-जिला योजना, 02-ऊन तागा बैंक की स्थापना, 20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता के नामे खाला जायेगा।

8- यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या: 205/XXVII(1)/2009 दिनांक 25 मार्च 2009 के प्रस्तर-10 में इंगित निर्देशानुसार निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीया,

(डा० हेमलता ढांडियाल)
अपर सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 16(3/1)/VII-2-09/86-उद्योग/2008 तदुद्दिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1 महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2 समस्त बरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 3 निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री जी।
- 4 निजी सचिव-मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 5 आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी/कुमाऊँ मण्डल, नैनीताल।
- 6 निदेशक, उद्योग उत्तराखण्ड।
- 7 समस्त जिलाधिकारी उत्तराखण्ड।
- 8 अपर सचिव, वित्त (बजट), उत्तराखण्ड शासन।
- 9 अपर सचिव, नियोजन, उत्तराखण्ड शासन।
- ✓ 10 निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 11 वित्त अनुभाग-2
- 12 गार्ड-फाईल।

आज्ञा से,

(डा० हेमलता ढांडियाल)
अपर सचिव।